विषय सूची

चित्र (दानवीर सेठ भैरोदानजी सेठिया)	
शुद्धिपत्र	२ क से घ तक
पुस्तक प्रकाशन समिति	३
सम्मतियाँ	४
प्रमाण के लिए उद्धृत ग्रन्थों की सूची	६
दो शब्द	८
विषय सूची	६
अकाराद्यनुक्रमणिका	११
आभार प्रदर्शन	२०
संस्था का छत्तीसवां वार्षिक विवरण	

बोल नं०	पृष्ठ
मंगलाचरण	१
ग्यारहवाँ बोल संग्रह	३
७७० भगवान् महावीर के नाम	३
७७१ श्रामण्य पूर्विका अध्ययन की ग्यारह गाथाएँ	११
७७२ दुर्लभ ग्यारह	१७
७७३ आरम्भ, परिग्रह को छोड़े बिना ग्यारह बातों की प्राप्ति नहीं हो सकती	१७
७७४ उपासकपडिमाएँ ग्यारह	१८
७७५ गणधर ग्यारह	२३
७७६ ग्यारह अंग	६६
बारहवाँ बोल संग्रह	२१५
७७७ बारह उपांग	२१५

बोल नं०	पृष्ठ
(अंग और उपांगों के नाम अकाराद्यनुक्रमणिका में हैं)	
७७८ सूत्र के बारह भेद	२३५
७७९ भाषा के बारह भेद	२३८
७८० अननुयोग के दृष्टान्त	२३८
७८१ जैन साधु के लिए मार्ग-प्रदर्शक बारह गाथाएँ	२४५
७८२ अरिहन्त के गुण	२६०
७८३ चक्रवर्ती बारह	२६०
७८४ आगामी उत्सर्पिणी के चक्रवर्ती बारह	२६५
७८५ आर्य के बारह भेद	२६६
७८६ उपयोग बारह	२६७
७८७ अवग्रह के बारह भेद	२६६
७८८ असत्यामृषा (व्यवहार) भाषा के बारह भेद	२७२
७८९ काया के बारह दोष	२७३
७९० मान के बारह नाम	२७५
७९१ अप्रशस्त मन विनय के बारह भेद	२७५
७९२ कम्मियाबुद्धि के बारह दृष्टान्त	२७६
७९३ आजीवक के बारह श्रमणोपासक	२७९
७९४ निश्चय और व्यवहार से श्रावक के भाव व्रत	२८०
७९५ भिक्षु पडिमा बारह	२८५

बोल नं०	पृष्ठ
७९६ सम्भोग बारह	२९२
७९७ ग्लानप्रतिचारी बारह	२९७
७९८ बालमरण के भेद	२९८
७९९ चन्द्र और सूर्य्यों की संख्या	३००
८०० पूर्णिमा बारह	३०२
८०१ अमावास्या बारह	३०३
८०२ मास बारह	३०३
८०३ बारह महीनों मे पोरिसी का परिमाण	३०४
८०४ धर्म के बारह विशेषण	३०६
८०५ श्रमण की उपमाएँ	३०९
८०६ सापेक्ष यति धर्म के बारह विशेषण	३१४
८०७ कायोत्सर्ग के आगार बारह	३१६
८०८ कल्पोपन्न देव बारह	३१८
८०९ कर्म प्रकृतियों के द्वार	३२६
८१० ईषत्प्राग्भारा पृथ्वी के बारह नाम	३५२
८११ जीवादि नव तत्त्वों के ज्ञान से बारह बोलों की परपरा प्राप्ति	३५२
८१२ बारह भावना (अनुप्रेक्षा)	३५५
८१३ बारह भावना के दोहे	३७६
८१२ बारह भावना भाने वाले महापुरुषों के नाम	३७८
तेरहवां बोल संग्रह	३९१
८१३ विनय के तेरह भेद	३९१
८१४ क्रियास्थान तेरह	३९२
८१५ प्रतिसंलीनता के भेद	३९५
८१६ कायक्लेश के भेद	३९७
८१७ आहारक और अनाहारक के तेरह द्वार	३९८
८१८ क्रोध आदि की शान्ति के लिये उपाय	४०२
८१९ असस्कृत अध्ययन की तेरह गाथाएँ	४०६
८२० भगवान् ऋषभदेव के तेरह भव	४०९
८२१ सम्यक्त्व के लिए तेरह दृष्टान्त	४२२
श्रावक के बारह व्रतों की सक्षिप्त टीप	४९३
बारह भावना मगलरायकृत	५१७

अकाराद्यनुक्रमणिका

बोल नं०	पृष्ठ
७७५ अकंपित स्वामी	५२
७७५ अग्निभूति गणधर	३१
८०६ अघाती प्रकृतियाँ	३५०
७७६ अङ्ग ग्यारह	६६
७७५ अचल भ्राता	५४
८०८ अच्युत देवलोक	३२३
७७६ अणुत्तरोववाई	२०२
८०६ अध्रु वबन्धिनीप्रकृतियाँ	३३७
८०६ अध्रु वसत्ताक प्रकृतियाँ	३४३
८०६ अध्रु वोदया प्रकृतियाँ	३४१
७८० अननुयोग के दृष्टान्त	२३८
८१२ अनाथी मुनि (अशरण भावना)	३७६
८०६ अनादि अनन्तप्रकृतियाँ	३३८
८०६ अनादि सान्त प्रकृतियाँ	३३८
८१२ अनित्य भावना	३५६
७७६ अनुत्तरौपपातिक	२०२
८१२ अनुप्रेक्षा बारह	३५५
८०८ अनुभाव देवों में	३३६
७७६ अन्तकृद्दशांग	१६१
७७६ अन्तगडदसांग	१६१
८०८ अन्तरकाल देवों में	३३२
७७० अन्त्य काश्यप	६
८१२ अन्यत्व भावना	३६४
८०६ अपरावर्तमान प्रकृतियाँ	३५१
७६१ अप्रशस्त मन विनय के बारह भेद	२७५
७७२ अप्राप्य बातें ग्यारह	१७
८०१ अमावास्या बारह	३०३
७८२ अरिहन्त के गुण	२६०
७७६ अर्जुन माली	१६६
८१२ अर्जुन माली (निर्जरा भावना)	३८६
७८३ अवगाहनाचक्रवर्तियोंकी	२६३
८०८ अवगाहना देवों की	३२६
७८७ अवग्रह के बारह भेद	२६६
८०८ अवधिज्ञान देवों में	३३०
८१२ अशरण भावना	३५८
८१२ अशुचि भावना	३६५
८१६ असंखय अध्ययन की तेरह गाथाएँ	४०६
७८८ असत्यामृषा भाषा के बारह भेद	२७२
आ	
७८४ आगामी उत्सर्पिणी के चक्रवर्ती बारह	२६५
८०७ आगार कायोत्सर्ग के	३१६
७७६ आचारांग	६७
७६३ आजीवक के उपासक	२७६
८०८ आणत देवलोक	३२३
८०८ आरण देवलोक	३२३
७७३ आरंभ और परिग्रह को छोड़े बिना ग्यारह बातों की प्राप्ति नहीं हो सकती	१७

बोल नं०		पृष्ठ
७८५	आर्य के बारह भेद	२६६
८२६	आर्याषाढ का दृष्टान्त	४६६
८१२	आश्रव भावना	३६७
८१७	आहारक अनाहारक के तेरह द्वार	३६८
	इ	
७७५	इन्द्रभूति गणधर	२४
८०८	इन्द्र सामानिक आदि	३३३
	ई	
८०८	ईशान देवलोक	३२०
८१०	ईषत्प्राग्भारा के नाम	३५२
	उ	
७८१	उत्तराध्ययन इक्कीसवें अध्ययन की गाथाएं	२५५
८१६	उत्तराध्ययन चौथे अध्ययन की तेरह गाथाएं	४०६
८०८	उत्तरोत्तर घटने वाली चार बातें देवों में	३३५
८०८	उद्वर्तना विरह देवों में	३३२
८०८	उपपात विरह देवों में	३३२
८०५	उपमाएँ साधु की	३०६
७८६	उपयोग बारह	२६७
७७६	उपासक दशाङ्ग	१६०
७७४	उपासक पडिमाएँ	१८
७७७	उववाई सूत्र	२१५
७७६	उवासग दसाओ	१६०
	ऋ	
८०८	ऋद्धि देवों मे	३३१

बोल नं०		पृष्ठ
८१२	ऋषभदेव के पुत्र (बोधि दुर्लभ भावना)	३८८
८२०	ऋषभदेव भगवान् के तेरह भव	४०६
	ए	
८१२	एकत्व भावना	३६२
७८३	एकेन्द्रिय रत्न चक्रवर्तियों के	२६३
७७६	एवन्ता कुमार की कथा	१६८
	औ	
७७७	औपपतिक सूत्र	२१५
	क	
७७७	कप्पवडिंसिया सूत्र	२३३
७८०	कमलामेला का उदाहरण	२५०
७६२	कम्मियाबुद्धि के दृष्टान्त	२७६
८०६	कर्म प्रकृतियों के द्वार	३२६
८०८	कल्पोपपन्न देव बारह	३१८
८०७	काउसग्ग के आगार	३१६
७८३	काकिणी रत्न	२६१
८०८	कामभोग देवों में	३३२
८०८	काम वासना देवों मे	३३३
७८६	काया के बारह दोष	२७३
८१६	कायक्लेश के भेद	३६७
८०७	कायोत्सर्ग के आगार	३१६
८१४	क्रियास्थान तेरह	३६२
७८०	कुब्जा का उदाहरण	२३६
८२१	कुशध्वज का दृष्टान्त	४५५

बोल नं०	पृष्ठ
७८० कोंकण दारक का उदाहरण	२४८
८१८ क्रोधादि की शान्ति के उपाय	४०२
८०८ क्षुधा, पिपासा देवों में	३३१
ग	
७७६ गजसुकुमाल की कथा	१६३
७७५ गणधर ग्यारह	२३
७७५ गणधरों की शङ्काएँ	२३
८०८ गतागत देवों की	३२८
८०८ गतागत देवभव में	३३२
७८३ गति चक्रवर्तियों की	२६१
८१६ गाथाएँ तेरह उत्तराध्ययन सूत्र की	४०६
७८० गाय और बछड़े का उदाहरण	२३६
७८२ गुण बारह अरिहन्त के	२६०
७७६ गुणरत्न संवत्सर तप	२००
८०८ गृहलिङ्गी का उपपात	३३६
७७६ ग्यारह अङ्ग	६६
७६६ ग्रहों की संख्या	३००
७८३ ग्राम चक्रवर्तियों के	२६२
७८० ग्रामेयक का उदाहरण	२४२
७६७ ग्लान प्रतिचारी बारह	२६७
च	
७८३ चक्रवर्तियों का बल	२६२
७८३ चक्रवर्तियों का भोजन	२६१
७८३ चक्रवर्तियों का वर्ण	२६३
७८३ चक्रवर्तियों का हार	२६३
७८३ चक्र० की अवगाहना	२६३
७८३ चक्रवर्तियों की गति	२६१
७८३ चक्रवर्तियों की प्रव्रज्या	२६५
७८३ चक्रवर्तियों की सन्तान	२६४
७८३ चक्रवर्तियों की स्थिति	२६३
७८३ चक्र० के एकेन्द्रिय रत्न	२६३
७८३ चक्रवर्तियों के ग्राम	२६२
७८३ चक्र० के जन्मस्थान	२६२
७८३ चक्र० के पञ्चेन्द्रिय रत्न	२६३
७८३ चक्रवर्तियों के पिता	२६२
७८३ चक्रवर्तियों के स्त्रीरत्न	२६४
७८४ चक्रवर्ती आने वाला उत्सर्पिणी के	२६५
७८३ चक्र० का काकणीरत्न	२६१
७८३ चक्रवर्ती बारह	२६०
७७७ चन्द्रपण्णत्ति	२२८
७६६ चन्द्र, सूर्य की संख्या	३००
७७७ चन्द्र प्रज्ञप्ति	२२८
८२१ चिलातीपुत्र का दृष्टान्त	४३४
७७५ चौबीस तीर्थङ्करों के गणधरों की संख्या	२३
ज	
७८३ जन्मस्थान चक्रवर्तियों के	२६२
७७७ जंबूद्वीप पण्णत्ति	२२५
७७७ जंबूद्वीप प्रज्ञप्ति	२२५
८११ जीवादि नव तत्वों के ज्ञान से बारह बोलों की प्राप्ति	३५२

बोल नं०		पृष्ठ
८२०	जीवानन्द वैद्य (ऋषभदेव का नवां भव)	४१३
७७७	जीवाभिगम	२१६
७८१	जैन साधु के लिये मार्ग प्रदर्शक बारह माथाएँ	२५५
८०८	ज्ञान देवों में	३३०
७७६	ज्ञाताधर्मकथाङ्ग सूत्र	१८५
७६६	ज्योतिषियों की संख्या	३००
	ठ	
७७६	ठाणाङ्ग सूत्र	७६
	ण	
७७०	णाय या णायपुत्त	४
७७६	णायाधम्मकहा	१८५
	त	
७६६	तारों की संख्या	३००
	तेरहवाँ बोल संग्रह	३६१
	द	
७७१	दशवैकालिक की गाथाएँ	११
८२१	दुर्गन्धा का दृष्टान्त	४५८
७७२	दुर्लभ ग्यारह	१७
७८०	दृष्टान्त अननुयोग के	२३८
८२१	दृष्टान्त आर्याषाढ का	४६६
७६२	दृष्टान्त कम्मिया बुद्धि के	२७६
८२१	दृष्टान्त कुशाग्रज का	४५५
८२१	दृष्टान्त चिलातीपुत्र का	४३४
८२१	दृष्टान्त सम्यक्त्व के	४२२
८२१	दृष्टान्त दुर्गन्धा का	४५८
८२१	दृष्टान्त धन्नासार्थ० का	४४६
८२१	दृष्टान्त नन्दमणिकार का	४४४
८२१	दृष्टान्त मयूराण्ड का	४५३
८२१	दृष्टान्त वज्रस्वामी का	४८१
८२१	दृष्टान्त वणिक् का	४५६
८२१	दृष्टान्त विष्णुकुमार का	४८५
८२१	दृष्टान्त श्रेणिक का	४६५
८२१	दृष्टान्त श्रेयांसकुमार का	४२३
८२१	दृष्टान्त सयडाल का	४६१
८०८	दृष्टि देवों की	३३०
८०८	देवलोकों की ऊँचाई	३१८
८०८	देवलोक बारह	३१८
८०८	देवलोकों मे परिषदाएँ	३२५
८०८	देवलोकों में स्थिति	३२४
७००	देवार्य	१०
८०८	देवों का अवधिज्ञान	३३०
८०८	देवों का आहार काल	३३५
८०८	देवों का उच्छ्वास	३२६
८०८	देवों का उच्छ्वास काल	३३५
८०८	देवों का वर्ण	३२६
८०८	देवों का संहनन	३२६
८०८	देवों का स्पर्श	३२६
८०८	देवों की अवगाहना	३२६
८०८	देवों की उत्पत्ति	३२८
८०८	देवों की ऋद्धि	३३१
८०८	देवों की गतागत	३२८
८०८	देवों की वेशभूषा	३३१
८०८	देवों की संख्या	३२८
८०८	देवों के अवान्तर भेद	३३३

बोल नं०		पृष्ठ
८०८	देवों के चिन्ह	३१६
८०८	देवों के संस्थान	३२६
८०८	देवों में अनुभाव	३३६
८०८	देवों में उत्तरोत्तर बढ़ने वाली सात बातें	३३४
८०८	देवों में उद्वर्तना विरह	३३२
८०८	देवो में उपपात	३३६
८०८	देवों में उपपात विरह	३३२
८०८	देवों में कामभोग	३३२
८०८	देवों मे कामवासना	३३३
८०८	देवों मे क्षुधा, पिपासा	३३१
८०८	देवों में गतागत	३३२
८०८	देवों में ज्ञान	३३०
८०८	देवों मे दृष्टि	३३०
८०८	देवों मे प्रवीचार	३३३
८०८	देवों में लेश्या	३३०
८०८	देवों में विकुर्वणा	३३१
८०८	देवों में वेदना	३३६
८०८	देवों में समुद्घात	३३१
८०८	देवो में साता (सुख)	३३१
८०६	देशघाती प्रकृतिया	३४८
७८६	दोप काया के बारह	२७३
१८२	दोहे भावनाओं के	३७६

ध

७७६	धन्ना अनगार की कथा	२०४
८२१	धन्ना का दृष्टान्त	४४६
८२०	धन्नासार्थवाह (ऋषभदेव का पहला भव)	४०६
८०४	धर्म के बारह विशेषण	३०६
८१२	धर्म भावना	३७३
८१२	धर्मरुचि मुनि (धर्म भावना)	३८६
८०६	ध्रुवबन्धिनी प्रकृतियाँ	३३७
८०६	ध्रुवसत्ताक प्रकृतियाँ	३४२
८०६	ध्रुवोदया प्रकृतियाँ	३४१

न

७८०	नकुल का दृष्टान्त	२४६
७६६	नक्षत्रों की सख्या	३००
८२१	नन्दमणिकार का दृष्टान्त	४४४
८१२	नमिराजर्षि (एकत्व भावना)	३८१
८११	नव तत्त्वों के ज्ञान से परम्परा लाभ	३५२
८१०	नाम,ईषत्प्राग्भारा के	३५२
७७०	नाम ग्यारह महावीर के	३
७६०	नाम बारह मान के	२७५
७७७	निरियावलियाओ	२३२
८१२	निर्जरा भावना	३६६
७६४	निश्चय और व्यवहार से श्रावक के भाव व्रत	२८०

प

७८३	पञ्चेन्द्रिय रत्न चक्रवर्तियों के	२६३
७७४	पडिमाएँ श्रावक की	१८
७६५	पडिमाएँ साधु की	२८५

बोल नं०		पृष्ठ
८१५	पडिसंलीणया के भेद	३९५
७७६	पण्हवागरण	२०८
७७७	पन्नवणा	२२१
७७७	परदेशी राजा	२१७
८०९	परावर्तमान प्रकृतियाँ	३५१
८०८	परिषदाएं देवलोकों में	३२५
८०९	पाप प्रकृतियां	३५१
७८३	पिता चक्रवर्तियों के	२६२
८०९	पुण्य प्रकृतिया	३५०
७७७	पुप्फचूलिया	२३४
७७७	पुप्फिया	२३३
८००	पूर्णिमा बारह	३०२
८०३	पोरिसी का परिमाण	३०४
७७७	प्रज्ञापना सूत्र	२२१
८१५	प्रतिसंलीनता के भेद	३९५
७७५	प्रभासस्वामी	६०
८०८	प्रवीचार देवों में	३३३
७८३	प्रव्रज्या चक्रवर्तियों की	२६५
७७६	प्रश्न व्याकरण	२०८
८०८	प्राणत देवलोक	३२३
	ब	
७८३	बल चक्रवर्तियों का	२६२
७८६	बारह उपयोग	२६७
७७७	बारह उपांग	२१५
७८२	बारह गुण अरिहन्त के	२६०
७८३	बारह चक्रवर्ती	२६०
८०८	बारह देवलोक	३१६
७९४	(क) बारह व्रत	४९३
८१२	बारह भावना	३५५
७८७	बारह भेद अवग्रह के	२६९
७८८	बारह भेद असत्यामृषा (व्यवहार) भाषा के	२७२
७८५	बारह भेद आर्य के	२६६
८०३	बारह महीनों मे पोरिसी का परिमाण	३०४
८०२	बारह मास	३०३
७९६	बारह सम्भोग	२९२
७९८	बालमरण के बारह भेद	२९८
७९२	बुद्धि कम्मिया के दृष्टान्त	२७६
८१२	बोधि दुर्लभ भावना	३७१
८०८	ब्रह्म देवलोक	३२२
	भ	
७७६	भगवती सूत्र	१३८
८२०	भगवान ऋषभदेव के तेरह भव	४०९
७७०	भगवान महावीर के ग्यारह नाम	२
८१२	भरत चक्रवर्ती (अनित्य भावना)	३७८
८२०	भव तेरह ऋषभदेव भगवान् के	४०९
८१२	भावनाओं के दोहे	३७६
८१२	भावना बारह	३५५
८१२	भावना भाने वाले महापुरुषों का परिचय	३७८
७९४	भाव श्रुत श्रावक के	२८०
७७९	भाषा के बारह भेद	२३८

बोल नं०		पृष्ठ
७८८	भाषा व्यवहार के भेद	२७२
७६५	भिक्खु पडिमा बारह	२८५
८०८	भूख और प्यास देवों मे	३३१
	म	
	मंगलाचरण	१
७७५	मण्डित स्वामी	४४
७६१	मन विनय (अप्रशस्त) के बारह भेद	२७५
८२१	मयूराण्ड का दृष्टान्त	४५३
७६८	मरण (बाल) के भेद	२६८
८१२	मल्लिनाथ भगवान् के छः मित्र (संसार भावना)	३८०
७७०	महति वीर	६
८२०	महाबल (ऋषभ देव का चौथा भव)	४११
७७०	महावीर	४
७७०	महावीर के ग्यारह नाम	३
८०८	महाशुक्र देवलोक	३२२
८०२	महीने बारह	३०३
७६०	मान के बारह नाम	२७५
८०२	मास बारह	३०३
७७०	माहण	७
८०८	माहेन्द्र देवलोक	३२१
७७०	मुणि	७
८१२	मृगापुत्र (अन्यत्वभावना)	३८२
७७५	मेतार्य स्वामी	५६
७७५	मौर्य स्वामी	५०
	य	
८०६	यति धर्म के विशेषण	३१४
	र	
७७७	राज प्रश्नीय सूत्र	२१६
७७७	राजा परदेशी	२१७
७७७	रायपसेणी सूत्र	२१६
	ल	
८२०	ललिताङ्ग देव (ऋषभ देव का पांचवा भव)	४१२
८०८	लान्तक देवलोक	३२२
८०८	लेश्या देवों में	३३०
८१२	लोक भावना	३७०
८०८	लोकानुभाव देवों मे	३३६
	व	
८२०	वज्रजंघ (ऋषभदेव का छठा भव)	४१२
८२०	वज्रनाभ चक्रवर्ती (ऋषभ देव का ग्यारहवां भव)	४१५
८२१	वज्रस्वामी का दृष्टान्त	४८१
८२१	वणिक् का दृष्टान्त	४५६
७७७	वह्निदशा	२३४
७८०	वधिरोल्लाप का दृष्टान्त	२४१
७८३	वर्ण चक्रवर्तियों का	२६३
८०८	वर्ण देवों का	३२६
७७५	वर्तमान तीर्थङ्करों के गणधरों का संख्या	२३
७७०	वर्धमान	३
७७५	वायुभूति	३३

बोल नं०	पृष्ठ
८०८ विकुर्वणा देवों में	३३१
७७० विदेह	४
८१३ विनय के तेरह भेद	३६१
७७६ विपाक सूत्र	२१३
८०८ विमानों का आधार	३२७
८०८ विमानों की ऊँचाई	३२७
८०८ विमानों की मोटाई	३२७
८०८ विमानों का वर्ण	३२७
८०८ विमानों का विस्तार	३२७
८०८ विमानों की संख्या	३१६
८०८ विमानों की सख्या	३२३
८०८ विमानों का सस्थान	३२७
८०८ विमानों का स्वरूप	३१६
७७६ विवाग सुय	२१३
७७६ विवाह पण्णत्ति	१३८
८०४ विशेषण बारह धर्म के	३०६
८०६ विशेषण स्थविरकल्पके	३१४
८२१ विष्णुकुमार का दृष्टान्त	४८५
८०८ वेदना देवों में	३३६
८०८ वेशभूषा देवों में	३३१
७७० वेसालीय	६
७१७ वैयावच्च करने वाले	२६७
७७५ व्यक्त स्वामी	३६
७८८ व्यवहार भषा के भेद	२७२
७७३ व्याख्या प्रज्ञप्ति	१३८
७६४ व्रत (भाव) श्रावक के	२८०

श

७८० शम्ब कुमार के साहस का उदाहरण	२५२
८१२ शिव राजर्षि (लोक भावना)	३८७
८०५ श्रमण की उपमाएं	३०६
७७० श्रमण या सहज	३
७७१ श्रामण्य पूर्विका अध्ययन की ग्यारह गाथाएँ	११
७७४ श्रावक की पडिमाएँ	१८
७६५ श्रावक के भाव व्रत	२८०
७६४ (क) श्रावक के १२ व्रत	४६३
७६३ श्रावक आजीवक के	२७६
७८० श्रावकभार्या का दृष्टान्त	२४५
८२१ श्रेणिक का दृष्टान्त	४६५
७८० श्रेणिक के कोप का उदाहरण	२५३
७७६ श्रेणिक की रानियाँ	२०१
८११ श्रेयासकुमार का दृष्टान्त	४२३
८०८ श्वासोच्छ्वास देवों का	३२६

स

८०८ संख्या देवों की	३२८
८१२ सवर भावना	३६८
८१० ससार भावना	३६०
८०८ सस्थान देवों के	३२६
८०८ संहनन देवों के	३२६
८२१ सकडाल का दृष्टान्त	४६१
८१२ सनत्कुमार चक्रवर्ती, (अशुचि भावना)	२८४
८०८ सनत्कुमार देवलोक	३२१

बोल नं०		पृष्ठ
७८३	सन्तान चक्रवर्तियों की	२६४
७७०	सन्मति (महावीर)	८
७७६	समवायांग	११४
८०८	समुद्घात देवों में	३३१
८१२	समुद्रपाल मुनि (आश्रव भावना)	३८५
७८१	समुद्रपालीय अध्ययन की बारह गाथाएं	२५५
७६६	सम्भोग बारह	२६२
८२१	सम्यक्त्व के लिए तेरह दृष्टान्त	४००
८२१	सयद्वाल का दृष्टान्त	४६१
८०६	सर्वघाती प्रकृतियाँ	३४७
८०८	सहस्रार कल्प	३२३
८०६	सादि अनन्त प्रकृतियाँ	३३८
८०६	सादिसान्त प्रकृतियां	३३८
७८१	साधु के लिए मार्ग प्रदर्शक बारह गाथाएं	२५५
७६५	साधु की पडिमाएं	२८५
८०५	साधु की बारह उपमा	३०६
७६६	साधु के बारह सम्भोग	२६२
७६७	साधु (ग्लान) की वैयावच्च करने वाले बारह	२६७
८०६	सापेक्ष यति धर्म के बारह विशेषण	३१४
७८०	सामयिक व्रत का उदाहरण	२५६
८०८	सामानिक देवों की संख्या	३२३
८१०	सिद्धशिला के नाम	३५२
८०८	सुख देवों मे	३३१
७७५	सुधर्मा स्वामी	४०
७६६	सूर्य, चन्द्रों की सख्या	३००
७७६	सूत्रकृताङ्ग	७६
७७८	सूत्र के बारह भेद	२३५
७७६	सूयगडांग	७६
७७७	सूरपण्णत्ति	२३०
७७७	सूर्यप्रज्ञप्ति	२३०
८०८	सौधर्म देवलोक	३१६
७८३	स्त्रीरत्न चक्रवर्तियों के	२६४
८०६	स्थविरकल्प के विशेषण	३१४
७७६	स्थानांग सूत्र	७६
७८३	स्थिति चक्रवर्तियों की	२६३
८०८	स्थिति देवलोकों मे	३२४
८०८	स्पर्श देवों का	३२६
८०८	स्वर्लिंगी का उपपात	३३६
७८०	स्वाध्याय का उदाहरण	२४०
	ह	
८१२	हरिकेशी मुनि (संवर भावना)	३८६
७८३	हार चक्रवर्तियों का	२६३